aglasem.com

FOR MP CPCT EXAM PREPARATION

MP CPCT 2017 Question Paper · Hindi Typing

EXAM	YEAR	TYPE	SUBJECT	DATE
MP CPCT	2017	Question Paper	Hindi Typing	18 Nov 2017

SHIFT
Shift 1

cpct

Notations :

1. Options shown in green color and with ✔ icon are correct.
2. Options shown in red color and with ✖ icon are incorrect.

Question Paper Name:	Remington Gail 18th Nov 2017 Shift 1
Subject Name:	Remington GAIL
Creation Date:	2017-11-14 17:59:21
Duration:	25
Calculator:	None
Magnifying Glass Required?:	No
Ruler Required?:	No
Eraser Required?:	No
Scratch Pad Required?:	No
Rough Sketch/Notepad Required?:	No
Protractor Required?:	No

Mock

Group Number :	1
Group Id :	2062057
Group Maximum Duration :	10
Group Minimum Duration :	10
Revisit allowed for view? :	No
Revisit allowed for edit? :	No
Break time:	1
Mandatory Break time:	Yes
Group Marks:	0

Hindi Typing Test

Section Id :	2062057
Section Number :	1
Section type :	Typing Test
Mandatory or Optional:	Mandatory
Number of Questions:	1
Number of Questions to be attempted:	1
Section Marks:	0
Display Number Panel:	Yes
Group All Questions:	No

Sub-Section Number:	1
Sub-Section Id:	2062057
Question Shuffling Allowed :	No

Question Number : 1 Question Id : 2062057 Question Type : TYPING TEST Display Question Number : Yes

बहुत समय पहले की बात है हिमालय के जंगलो में एक बहुत ताकतवर शेर रहता था एक दिन उसने बारासिंघे का शिकार किया और खाने के बाद अपनी गुफा को लौटने लगा अभी उसने चलना शुरू ही किया था कि एक सियार उसके सामने दंडवत करता हुआ उसके गुणगान करने लगा।

Restricted/ Unrestricted: Unrestricted
Paragraph Display: Yes
Evaluation Mode: Non Standard
Keyboard Layout: Remington
Show Details Panel: Yes
Show Error Count: Yes
Highlight Correct or Incorrect Words: Yes
Allow Back Space: Yes
Show Back Space Count: Yes

Actual

Group Number :	2
Group Id :	2062058
Group Maximum Duration :	15
Group Minimum Duration :	15
Revisit allowed for view? :	No
Revisit allowed for edit? :	No
Break time:	0
Group Marks:	0

Hindi Typing Test

Section Id :	2062058
Section Number :	1
Section type :	Typing Test
Mandatory or Optional:	Mandatory
Number of Questions:	1
Number of Questions to be attempted:	1
Section Marks:	0
Display Number Panel:	Yes
Group All Questions:	No

Sub-Section Number:	1
Sub-Section Id:	2062058
Question Shuffling Allowed :	No

Question Number : 2 Question Id : 2062058 Question Type : TYPING TEST Display Question Number : Yes

तीसरा विश्व युद्ध ये एक ऐसा शब्द है जो आए दिए हम सभी का आकर्षण अपनी ओर खींचता रहता है। और कई परमाणु समृद्ध देशों के बीच हो रहे लगातार तना-तनी को देखते हुए काफी करीब भी माना जा रहा है। अभी हाल ही में जर्मनी के फ्रैंकफर्ट शहर में इमारत के निर्माण के दौरान दूसरे विश्व युद्ध का एक बम बरामद किया गया जिसके बाद तत्काल प्रभात से वहां के नागरिकों को शहर खाली करने का आदेश दिया गया। हालांकि बम के नाकाम होने के बाद दोबारा लोग वापस आ गए। एक बात तो साफ है की अगर तीसरा विश्व युद्ध हुआ तो अमेरिका और रूस दोनों आमने सामने होंगे। दोनों ही न्यूक्लियर हथियार से लैस दुनिया की सबसे बडी ताकतें हैं। इससे एक बात तो तय है की युद्ध की स्थिति में न्यूक्लियर हमला ही निर्णायक फैसला देगा। हालांकि रूस की जनसंख्या अमरीका से कम है लेकिन ये जनसंख्या पूरे देश में फैली हुई है और यही वजह है की 2 न्यूक्लियर हमलों के बाद भी रूस पर कुछ खास असर नहीं पडेगा। वही भारत-पाकिस्तान की बात करें तो ये कहना मुश्किल है की पडोसी देश होने के बावजूद पाकिस्तान ऐसे मौके पर भारत का साथ देना चाहेगा या उसके खिलाफ खडा होगा। हालांकि ऐसे में कुछ भी कहना मुश्किल है। वही उत्तर कोरिया की बात करे तो हालिया खबर के अनुसार उत्तर कोरिया ने जापान पर बैलिस्टिक मिसाइल दागी है। ये मिसाइल जापान के उपर से हो कर गुजरी और प्रशांत महासागर में समा गई। हालांकि जानकारी के मुताबिक इस मिसाइल से किसी तरह के कोई नुकसान की खबर नहीं मिली है। जापान ने उत्तर कोरिया की इस हरकत को उकसाने वाला कदम बताया और कहा की उत्तर कोरिया को सबक सिखाने का वक्त आ गया है। अब ऐसी खबरों को तो देख कर तीसरे विश्व युद्ध की संभावनाओं से इनकार नहीं किया जा सकता है। पहले और दूसरे विश्व युद्ध के बाद हुए नुकसान और आर्थिक तंग से उभरे में कई देशों को कई साल का वक्त लग गया, वही पर्यावरण को भी इससे काफी नुकसान हुआ जिसकी भरपाई आज भी हम नहीं कर पाए हैं। हालांकि तत्कालीन दौर में कोई भी देश खुले तौर पर विश्व युद्ध का समर्थन करता नजर नहीं आ रहा, लेकिन कई शक्तिशाली देशों के बीच हो रहे मन-मुटाव इसके ना होने की संभावनाओं पर विराम भी नहीं लगाते दिख रहे हैं और लगातार अपने सेना शक्ति और न्यूक्लियर पॉवर को बढाने में लगे हुए हैं। लेकिन इन सब के बीच एक बात तो तय है, कि अगर दूसरा विश्व युद्ध हुआ तो इससे हुई तबाही का आकलन करना नामुमकिन होगा और शायद ये आखिरी विश्व युद्ध होगा क्योंकि इस तबाही के बाद शायद ही दुनिया में कुछ बच पाएगा।

Restricted/ Unrestricted: Unrestricted
Paragraph Display: Yes
Evaluation Mode: Non Standard
Keyboard Layout: Remington
Show Details Panel: Yes
Show Error Count: Yes
Highlight Correct or Incorrect Words: Yes
Allow Back Space: Yes
Show Back Space Count: Yes